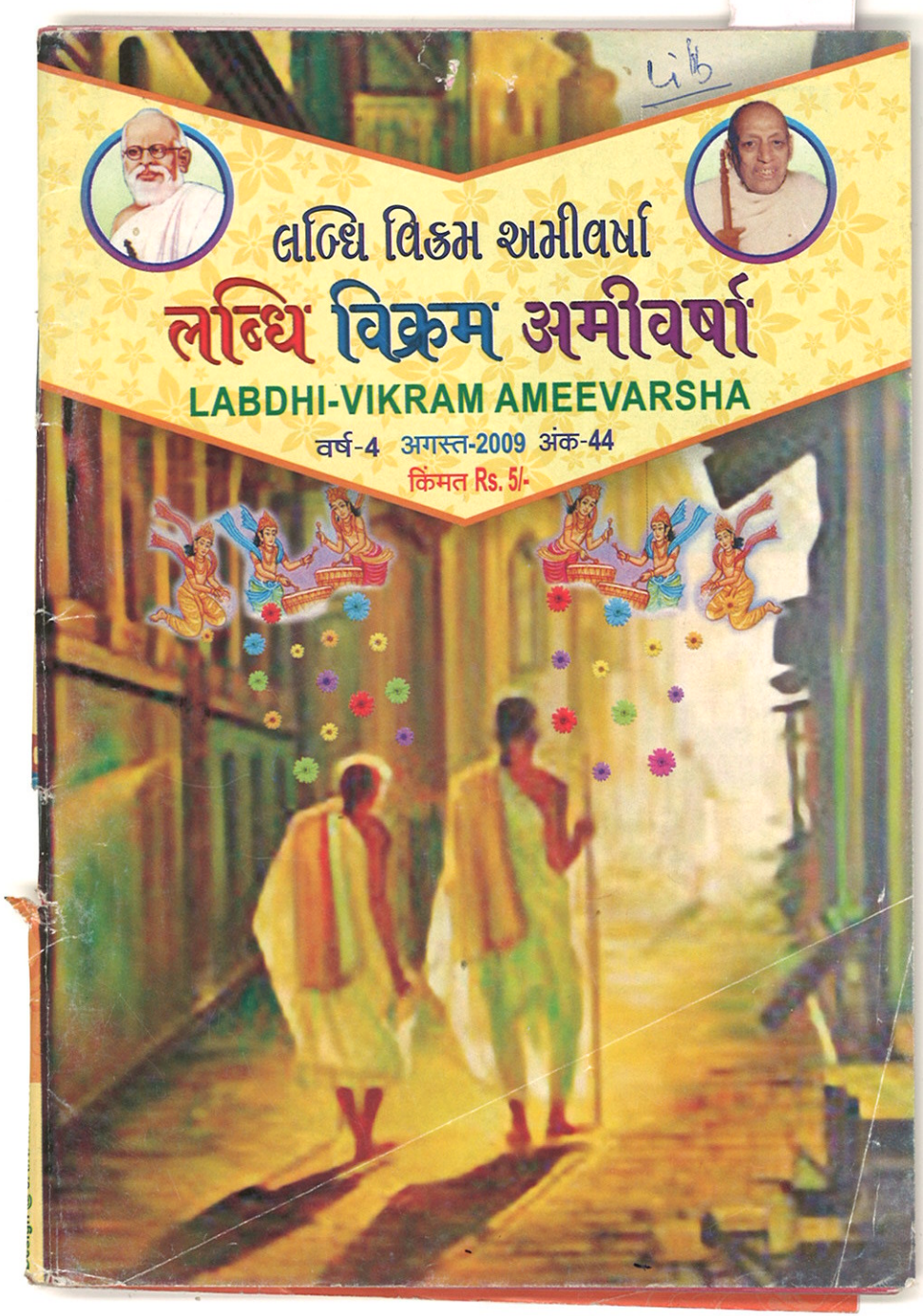
લબ્ધિ વિક્રમ અમીવર્ષા
लब्धि विक्रम अमीवर्षा
LABDHI-VIKRAM AMEEVARSHA
वर्ष-4 अगस्त-2009 अंक-44
किंमत Rs. 5/-

समाचार दर्शन

आनंद की लहरी छा जायेगी

श्री अंतरिक्षजी पार्श्व प्रभु के द्वार खुले एवं परमात्मा की अर्चना-पूजा एवं वंदना से समस्त जैन समाज लाभान्वित बनें ऐसी शुभ भावनासे श्वेतांबर एवं दिगंबर समाजने प्रयास जारी किया है । सबका विश्वास है की ऐसी पुण्य घडी आयेगी ही और समस्त जैन समाज में आनंद की लहरी छा जाएगी । यह बात निश्चित है ।

पूज्यश्री की निश्रामें अंतरीक्षजी में जो जो शुभ कार्य हुए उसके रेखा चित्र एवं समाचार अंक-३९ में दिया है । कुछ बाकी समाचार इस अंकमें आपकी अनुमोदना के लिए हम दे रहे हैं ।

योगानुयोग पू. गुरुदेवकी दीक्षा तारीख २-२-०९ का योग तीर्थ में ही संपन्न हुआ । अनेक भक्तजनों एवं तीर्थ के ट्रस्टीगण श्री पार्श्वपद्मावती पूजनमें उपस्थित रहें और पूज्यश्री के आशीर्वाद पाकर धन्य बनें । उसी दिन तीर्थ में पूज्य गुरुदेवकी निश्रामें सार्वजनिक मेडीकल केम्पका भी उद्घाटन हुआ ।

श्री तीर्थ विकास हेतु १०० कमरेकी धर्मशाला हेतु भूमि शुद्धि विधान पूज्यश्री की निश्रामें हुआ । अनेक भाविकोने कमरे का १,५१००० का नकरामें लाभ लिया - जिनकी सूचि हम आगे दे रहे है।

जलगाँवमें...

पूज्य गुरुदेव की विहारयात्रा जलगांव की ओर आगेकूच कर रही थी १८-२-०९ को रतनलालजी बाफना के अहिंसा तीर्थ में पदार्पण किया । पदार्पण निमित्त जितने ठणे पधारे थे उतनी गायों को छुडवाकर पूज्यश्रीका

अनूठ स्वागत किया । दि. १९-९-१२ को जलगांव को भव्यातिभव्य प्रवेश हुआ । प्रवेशोत्सवमें उपस्थित जनमेदनी ही अंजनशलाका की भव्यता की साक्षी दे रही थी । गाँव से अंजनशलाका-प्राण प्रतिष्ठ हेतु जैन हिल्स तीर्थ पर पूज्य गुरुदेवोंका चतुर्विधसंघ सहित श्री संभवनाथ आदि नूतन प्रतिमाजीओं का भव्य प्रवेशोत्सव हुआ । अनेक राजकीय महापुरुषो - सामाजिक कार्यकरो - विदर्भ के अनेक संघ-डॉ. सुधाबेन कांकरीया आदि विशाल गुरुभक्त उपस्थित थे ।

मुग्ध हो जाते थे

जैन हिल्स का प्राकृतिक सौंदर्य - स्वच्छता-व्यसनों से मुक्त जैन ग्रुप के ८००० कर्मचारी गण की अनेक विधमर्यादा को देखकर हर कोई "भँवरलालजी जैन" के एक छत्रीय संचालन पर मुग्धहो जाते थे । भंवरलालजी की बुद्धि की बदोलत औद्योगिक कर्मठ कार्यकरों के लिए भी मार्गदर्शिका थी । "जैन फोर ओल" पुस्तिका में जैन की प्रतिभाका परिचय दिया ही है । पढने जैसी ही पुस्तिका है ।

जैन हिल्स पर की गई अंजनशलाका में आर. बी. जैन की निमंत्रणा से पूज्यश्री के गुरुभक्तों की शृंखला रोज रोज चलती ही रहती थी ।

भक्तिमें मस्त बना दिया

सुरत से नजदीक वेश्मा तीर्थ के संपूर्ण निर्माता आर. बी. जैन रजनीभाई, ज्योतिबेन, सुपुत्री दीपा - श्वेता एवं मेघा है । उनकी ही भावना से अपने कर्मक्षेत्र में अंजनशलाका का आयोजन हुआ । पांचो कल्याणकों की उजवणी इतनी शानदार हुई कि लोग विधिमें मस्त बनने के लिए प्रातः

कालमें ही आ जाते थे । पूज्य गुरुदेवश्री, कनुभाई विधिकारक एवं श्री आसुतोषभाई एवं प्रफुलभाई संगीतकारने सबको भक्तिमें मस्त बना दिया था ।

अविस्मरणीय बना

श्री भंवरलालजी जैन, श्री सुगनचंदजी रांका की दृढ भावना से एवं श्री दीलीपभाई के सुचारु संचालन से, श्री रजनीभाई की नम्रता एवं उदारता से समस्त महोत्सव जलगाँव के लिए अविस्मरणीय बना ।

भंवरलालजी जैन - दलुभाऊ - आर.बी. जैनने पू. गुरुदेवको ईन्टरनेशनल अहिंसा संमेलन जैन हिल्स पर करवाने की विनंति की है । और समस्त जलगांव जैन संघने पूज्यश्री को सपरिवार चातुर्मास हेतु भी विनंति की है ।

सदैव वफादार रहें

जलगाँव की स्थिरता दरम्यान पूज्यश्री का नयनतारा गेस्ट हाउस में जे.बी.एफ. का संमेलन जैन हिल्प पर १००० कर्मचारी गण को सम्बोधन - प्लास्टीक फार्म में २००० कर्मचारी गण को सम्बोधन हुआ था । संबोधित करते हुए पूज्यश्रीने कहा कि वर्तमान कालीन भ्रष्टाचारी मानसिकता के बहाव में न आकर अपने कर्म को ही धर्म मानकर अपने कार्य एवं स्वामी के प्रति सदैव वफादार रहें । एवं जैन ग्रुप जैसा सौहार्द भर स्थान में सेवा करने का मौका मिला । यह आपका प्रबल पुण्योदय है ।

जैन ग्रुपने समस्त साधु-साध्वीजी भगवंतो का मेडीकल चेकअप करवा के अपूर्व गुरुभक्ति का लाभ लीया ।

गुजरात राज्य विधानसभाध्यक्ष श्री अशोकभाई भट्ट पूज्यश्री के आशीर्वाद हेतु अंजनशलाका महोत्सव में उपस्थित रहे थे ।

अनुभूति स्कुल में

प्राण प्रतिष्ठा के बाद तुरंत ही पूज्यश्री प्रेरित भँवरलालजी जैन द्वारा निर्मित अनुभूति स्कुल में पूज्यश्री का संस्कार वर्धक प्रवचन हुआ । बच्चों के प्रश्नों का पूज्यश्रीने संतोषप्रद उत्तर दिया था ।

सुभाशिष प्राप्त कीये

पूज्यश्रीने महापौर खान प्रदेश के राजकीय नेता सुरेशदादा के वहाँ पदार्पण - भक्तामर पाठ किया । विहार के समय सुरेशदादाने स्वद्रव्य निर्माणाधीन दादावाडी में पदार्पण करवाया एवं जिनालय संबंधी योग्य मार्गदर्शन लेकर पूज्यश्रीसे शुभाशिष प्राप्त कीये ।

पूज्यश्री जलगाँव से पापड फेक्टरीमें अजितभाई सिंगवी के वहाँ पधारे । वहाँ पार्श्व पद्मावती पूजन एवं जैन डॉक्टरों की मीटींग हुई । पूज्यश्री की भ्रूण हत्या विरोधवाणीसे सभी द्रवित हुए ।

आनंद पब्लिकेशनमें कोठरी परिवार के वहाँ पार्श्व पद्मावती पूजन करवाते हुए फागणा गाँवमें रात्रिको जाहिर प्रवचनमें जैन-जैनेतरो की विशाल उपस्थितिमें "गर्भस्थ शिशु बचावो" अभियान पर प्रवचन देकर गर्भपात निषेधका प्रतिज्ञा पत्र भरवाया ।

धुलियामें अनेक आराधना

पूज्यश्री ७-३-०९ से ११-३-०९ तक धुलियामें स्थिरता ।

पूज्यश्री धुलिया में विमल विद्या परिसर में श्री सुरेन्द्रजी टांटीया के गृहमंदिर में विमलनाथ प्रभु के दर्शन - वंदन नवकारशी के बाद भव्य जुलूस

श्री संभवनाथ आदि जिनबिंबो का जैन हिल्स पर प्रवेश

श्री भँवरलालजी एवं अतुलभाऊ पूज्यश्री के साथ जैन हिल्स पर प्रवेश करते हुए

मनमयुर नाच उठा आज हमारा

श्री दिलीपभाई गांधी

श्री भँवरलालजी जैन

श्री दलुभाऊजैन

पूज्यश्री से आशीर्वाद लेते हुए भँवरलालजी जैन

तवोपकारं नहि विस्मरामि
श्री अशोकभाऊ

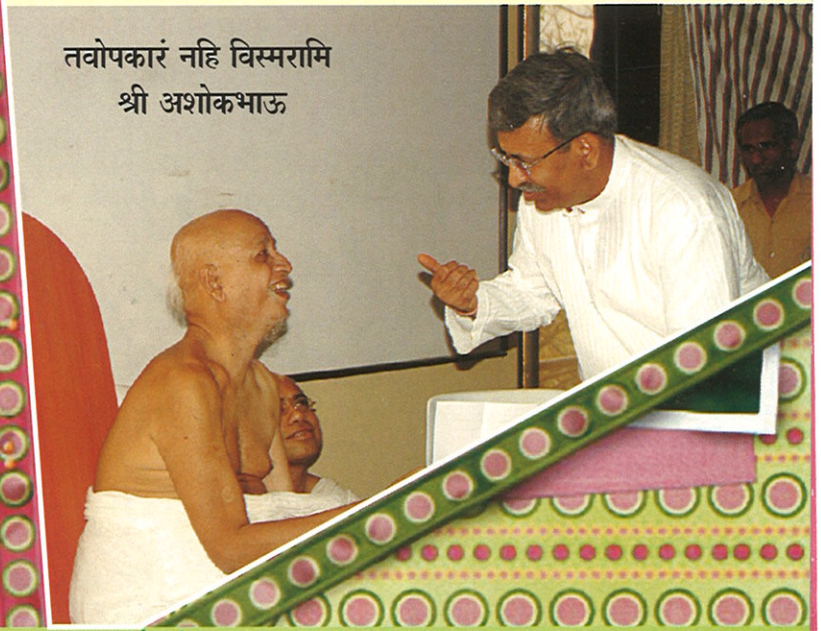

जैन हिल्स पर प्रवचन सभा में उमटा जैन समुदाय

अंजनशलाका क्रिया में तल्लीन पूज्यश्री एवं साथ में ही रजनीभाई जैन

पारणा झुलाते
श्री दलुभाऊ

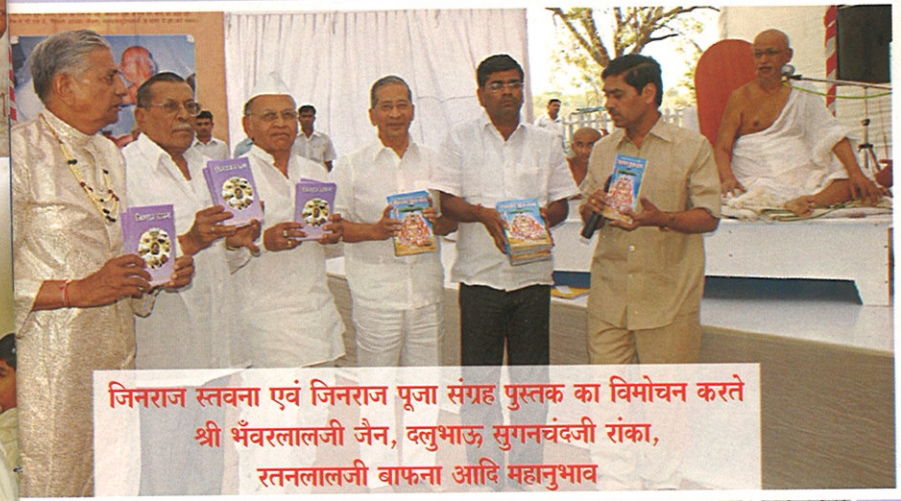

जिनराज स्तवना एवं जिनराज पूजा संग्रह पुस्तक का विमोचन करते
श्री भँवरलालजी जैन, दलुभाऊ सुगनचंदजी रांका,
रतनलालजी बाफना आदि महानुभाव

विशाल सभा

जैन हिल्स अंजनशलाका में
श्री विजयभाई दर्डा
(सांसद एवं लोकमत समाचार तंत्री)
ज्योत्सनाबेन दर्डा एवं
अतुलभाऊ पूज्यश्री के साथ
पूजन में तल्लीन

श्री संभवनाथ भगवान का भव्य दरबार

क्रिया में मग्न श्री भँवरलालजी जैन

श्री अतुलभाऊ एवं भावनाबेन पार्श्व-पद्मावती पूजन करते हुए

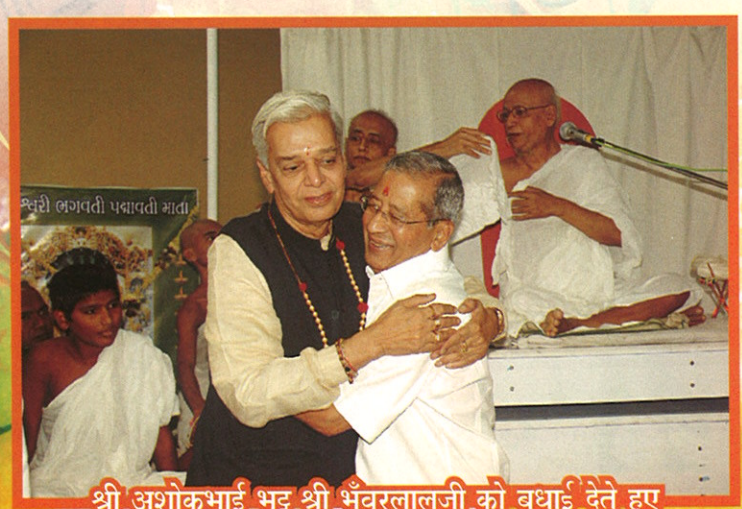

श्री अशोकभाई भट्ट श्री भँवरलालजी को बधाई देते हुए

पूज्यश्री विजयभाई दर्डा को प्रतिमा देते हुए

श्री राजमल लक्ष्मीचंद ज्वेलर्स के श्री इश्वरबाबु का बहुमान करते श्री दाउभाऊ

श्री जसराजजी श्रीश्रीमाल (सी.ए) का बहुमान करते हुए श्री दलुभाऊ

पूज्यश्री के 65 वें वर्ष में मंगलप्रवेश पर शुभकामनाएँ देते हुए

श्रीपालजी लोढा

श्री जीगरभाई

श्री शांतिभाई श्रोफ

श्री महेन्द्रभाई (दिव्यभास्कर)

श्री दर्शनभाई लठ्ठ

श्री रावलमलजी मणि

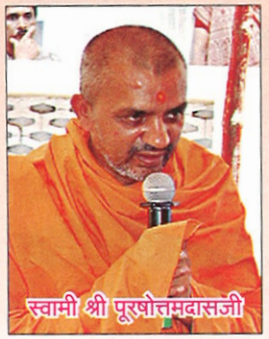
स्वामी श्री पूरषोत्तमदासजी

जे.के. शाह

सिल्काबेन जीगरभाई

श्री शंखेश्वर तीर्थ के ट्रस्टी श्री श्रेयकभाई पुस्तक का विमोचन करते हुए

पूज्यश्री Jain for all पुस्तक के साथ

श्री भाऊके जीवन पर आधारित आदि पब्लिकेशन - जलगांव द्वारा निर्मित "जैन फोर ओल" पुस्तक का विमोचन करते हुए श्री आर.बी.जैन, श्री अशोकभाई भट्ट श्री श्रेयकभाई एवं रजनीभाई जैन, नरेन्द्र जैन